Seventeenth Loksabha

an>

Title: Need to include teachings of Adi Shankaracharya in School Curriculum.

श्री शंकर लालवानी (इन्दौर): माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपका ध्यान सी.बी.एस.ई. के स्कूलों के पाठ्यक्रम की ओर दिलाना चाहता हूं । उस पाठ्यक्रम में बहुत सारे महापुरुषों के बारे में पढ़ाया जाता है । लेकिन, उस पाठ्यक्रम में आदि शंकराचार्य के बारे में पढ़ाया नहीं जाता है । दो वर्ष की आयु में आदि शंकराचार्य को वेदों का ज्ञान हो गया, आठ वर्ष की आयु में वे संन्यासी हो गए, बारह वर्ष की आयु में उन्हें शास्त्रों का ज्ञान हो गया और सोलह वर्ष की आयु में उन्होंने 100 ग्रन्थों की रचना कर दी । इतनी छोटी-सी उम्र में उन्होंने पूरे भारत का भ्रमण किया और सनातन धर्म को पूरे भारत में एक करने का जिम्मा लिया । हिन्दू की सभी जातियों को इकट्ठा कर एक समरसता का भाव पैदा किया । उन्होंने दशानामी सम्प्रदाय की स्थापना भी की थी । देश के चारों कोनों में धामों की स्थापना की थी । माननीय प्रधान मंत्री जी ने 18 अप्रैल, 2018 को लंदन में आदि शंकराचार्य जी के बारे में जिक्र भी किया था ।

महोदय, मैं आपके माध्यम से निवेदन करना चाहता हूं कि सी.बी.एस.ई. स्कूल्स के पाठ्यक्रम में जो पढ़ाया जाता है, उसमें महापुरुषों के साथ आदि शंकराचार्य जी के बारे में भी पढ़ाया जाना चाहिए ।